



भारत 2023 INDIA



AU TALK

Volume 21, December 2023



What's Up On AU Campus

Editorial Board

CONTENTS

AU TALK is a monthly digital newsletter of the University of Allahabad. AU TALK a long cherished dream and a brainchild of Hon'ble Vice Chancellor, has been regularly and successfully disseminating news and information on various academic and research activities happening across the Departments/Centres of the University. The original idea behind the digital platform is not only to spread out information about various developments related to the departments, but also, to revitalize a connection among them. AU TALK as a digital space facilitated its faculty members to publish their own informative articles, research accomplishments and potential future plans.

Patron: Hon'ble Vice Chancellor

Members of the Editorial Board:

- Dr. Chandranshu Sinha, Associate Professor, Dept. of Psychology
- Dr. Nakul Kundra, Associate Professor, Dept. of English
- Dr. Jaswinder Singh, Assistant Professor, Dept. of English
- Dr. Charu Vaid, Assistant Professor, Dept. of English
- Dr. Shibam Ur Rahman, Assistant Professor, Dept. of English
- Dr. Sandeep Kumar Meghwal, Assistant Professor, Dept. of Visual Arts
- Mr. Vishal Vijay, Assistant Professor, Centre for Theatre & Film
- Ms. Jigyasa Kumar, Curator, Vizianagram Hall & Museum

To publish your news/event in the upcoming edition, please send the write-up alongwith a relevant picture to:

vizianagramcurator.au@gmail.com

- ❖ Felicitation ceremony of Hon'ble VC on completing successful three years at University of Allahabad and launch of Coffee Table Book of University of Allahabad
- ❖ Citadel of Learning: The Glory of University of Allahabad
- ❖ G20 University Connect Programme
- ❖ Sports meet organized at University of Allahabad.
- ❖ Viksit Bharat @ 2047
- ❖ Centre of Environmental Studies
- ❖ Department of English and Modern European Languages
- ❖ Department of Sociology
- ❖ Centre of Food Technology
- ❖ Department of Mathematics
- ❖ Department of Zoology
- ❖ Department of Psychology
- ❖ Research Publications
- ❖ Awards/Honours/Lectures
- ❖ ARTICLE - Nanofertilizers – A Boon for Sustainable Agriculture by Dr. Harmanjit Kaur, Assistant Professor, Department of Botany
- ❖ Book of the Edition
- ❖ Movie of the Edition

इविवि कुलपति के कार्यकाल के तीन साल : अभिनन्दन समारोह का आयोजन

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर, एक दिसंबर को अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान संकाय के विजयनगरम् हॉल प्रांगण में किया गया। ज्ञात हो कि प्रो. श्रीवास्तव ने 1 दिसंबर 2020 को कुलपति का कार्यभार संभाला था। इन्होंने अबतक के अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के रचनात्मक परिवर्तन किये हैं। इन्होंने वर्षों से लंबित शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति कर विश्वविद्यालय के शैक्षिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी एक कुलपति के कार्यकाल में रिक्त पदों पर इतनी अधिक मात्रा में नियुक्तियाँ हुई हैं। यह प्रो. श्रीवास्तव की दूरदर्शिता और लगन का प्रमाण है कि उन्होंने विश्वविद्यालय को देशभर के चुने हुए मेधावियों की एक टीम दी।

अभिनन्दन कार्यक्रम में सिटाडेल ऑफ लर्निंग ' नाम से एक कॉफीटेबल बुक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक का कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अपनी एक कविता 'में मालिन हूँ' द्वारा अपना उद्बोधन दिया। इस कविता के माध्यम से प्रो. श्रीवास्तव ने कहने की कोशिश की कि जिस प्रकार प्रकृति बिना कुछ लिये हमें सबकुछ देती है वैसे ही मैं अपने इस विश्वविद्यालय की बगिया को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही हूँ।



अपने स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, कॉलेज डेवलपमेंट, प्रो पंकज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति जिन्हें विश्वविद्यालय की 'आयरन लेडी' भी कहा जाता है उनका इस मौके पर स्वागत करते हुए हम सबको गर्व हो रहा है। प्रो कुमार ने कहा कि वर्तमान कुलपति ने अनगिनत कार्य किया है जिसने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को फिर से स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि अपने अथक प्रयास से उन्होंने विश्वविद्यालय को नई दिशा और ऊँचाई दी है जिसमें - 700 शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति, अधोसंरचना विकास, प्रांगण में सकारात्मक माहौल का विकास, क्यूएस में विश्वविद्यालय की सुधरती रैंकिंग आदि शामिल हैं।

अलुम्नाई एसोसिएशन के अध्यक्ष, प्रो. हेराम्भ चतुर्वेदी ने कहा कि मैं आपका सिर्फ स्वागत नहीं बल्कि आपको नमन करने यहाँ आया हूँ। आपने अपने तीन साल के कार्यकाल में तिहरा शतक मारने जैसा कार्य किया है। आपने दुष्यंत की उस पंक्ति को चरितार्थ किया है जिसमें वे कहते हैं कि 'सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।' आज आपके कार्यों को देखकर मैं ये कह सकता हूँ कि आपकी शख्सियत विजयनगरम् प्रांगण के इस टॉवर से भी ऊँची है और आपके हौसले आसमान से भी ऊँचे हैं।



संकायाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास प्रो एस.आई. रिज़वी ने कहा कि हमने आपके जज़्बे और जीवटता को बहुत करीब से देखा है जब आपके कार्यकाल के शुरुआती दिनों में हम कोविड के दौर से गुजर रहे थे। हमने पिछले कुलपतियों को देखा है जो दूसरे विश्वविद्यालयों से आये थे। वे यहाँ आकर अपनी विश्वविद्यालय की ही बात करते थे। हमें प्रो संगीता श्रीवास्तव के रूप में एक ऐसी कुलपति मिली जो अपनी ही विश्वविद्यालय की बात करती हैं। आपके कार्यकाल में सभी संकायों में जिस तरीके के परिवर्तन हुए हैं उन्हें देखकर लोग अचंभित हो जाते हैं।

प्राचीन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार ने कहा कि तमाम आन्दोलनों के बावजूद आपने ऑफलाइन परीक्षा करवाई, सौ साल से रुकी हुई फीस बढ़ाई, उपद्रव रोके इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ।

कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र कुमार ने 'ज़िंदगी हर कदम एक नयी जंग है', डॉ. मोना अग्निहोत्री ने 'वन वे टिकट टू एयू', डॉ. रेहना मोल ने 'बावरा मन देखने चला एक सपना' नामक गीत प्रस्तुत किया। संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. विशाल जैन के निर्देशन में तैयार 'महुआ झरे' गीत पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया।



कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरानुसार स्वस्ति गायन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। स्वस्ति गायन डॉ. प्रतिभा आर्या ने किया। इस दौरान कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के कार्यकाल और उपलब्धियों पर बनी फिल्म भी दिखाई गयी। अंत में गांधी अध्ययन पीठ के अध्यक्ष प्रो. संतोष भदौरिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर एवं डॉ. सोनल शंकर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. एन के शुक्ला ने किया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार की मुखिया के सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न विभागों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के रजिस्ट्रार, संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं अन्य आचार्य मौजूद रहे।

"Citadel of Learning: The Glory of University of Allahabad"



✚ The Hon'ble Union Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan, was gifted a copy of the Coffee Table Book of the University of Allahabad by the Hon'ble Vice Chancellor of the University of Allahabad, Prof. Sangita Srivastava.

✚ The Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Yogi Adityanath, was present as Chief Guest on the occasion of the Annual Function of Maheshwari Prasad Inter College, Kaushambi. He was presented a copy of the Coffee Table Book of the University of Allahabad by the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sangita Srivastava, on behalf of the University.



✚ Former President of India Shri Ram Nath Kovind was presented a copy of the Coffee Table Book of the University of Allahabad by the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sangita Srivastava, on behalf of the University.





RIS

Research and Information System
for Developing Countries

विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली



G20 University Connect Programme

With patronage from Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Sangita Srivastava, the Department of Political Science, University of Allahabad, organised the 'G20 University Connect Programme' at the University in collaboration with the Research and Information System for Developing Countries (RIS), New Delhi. The programme was held under the visionary leadership of the Head of the Department of Political Science, Prof. V.K. Rai and Professor Pankaj Kumar. The Department organised a poster competition on the theme "The Youth as Equal Partners in the Development Agenda" at the Senate Hall Corridor, University of Allahabad, on 11th September 2023. The Department also organized an essay competition on the topic "India's G20 Presidency: The Role of Youth" at the Conference Hall on 12th September 2022. On the concluding day of the G20 University Connect programme, a special lecture was organized as a part of the lecture series on "Engaging young Minds" at the Tilak Hall (Senate House Campus) on 14th September 2023. The lecture was delivered by Ambassador Ms. Preeti Saran, Former Diplomat, Government of India. Prof. V. K. Rai, Head of the Department, warmly welcomed the guest speaker and delivered the welcome address. The Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Sangita Srivastava, presided over the programme. Dr. Ritambhara Malaviya, the Coordinator of the event, moderated the programme. The speaker of the session, Ms. Preeti Saran, outlined how India, under its G20 Presidency, created opportunities for the developing countries to raise their issues and ensured the representation of the Global South. In her presidential address, the Hon'ble Vice-Chancellor spoke about the progress achieved by India to date and the tasks of youth. Dr. Rehamol P R, Assistant Professor, Department of Political Science, University of Allahabad, presented a report of all the events organised under the G20 University Connect programme. Dr. Smriti Suman, Co-coordinator of the event, proposed a Vote of Thanks on behalf of the Department.

The programme culminated with the participation of six selected students of the University of Allahabad under the guidance of five faculty members who were led by Prof. Pankaj Kumar at the G20 University Connect Finale at Bharat Mandapam, Delhi, on the 26th September 2023. The students got a wonderful opportunity to be part of the audience for the interactive address by the prime minister of the country, wherein he gave a call to the youth to participate in nation-building.



इलाहाबाद विश्वविद्यालय में "स्पोर्ट्स मीट"

विश्वविद्यालय इलाहाबाद में कई साल बाद माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के निर्देशन में "स्पोर्ट्स मीट" का आयोजन किया गया जिसका समापन 18 दिसंबर 2023 की सुबह किया गया है। आयोजनों की अंतिम श्रृंखला में 18 दिसंबर 2023 की सुबह एथलेटिक्स और रस्साकशी की प्रतियोगिता सफलतापूर्वक का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थी अधिक उत्साहित दिखें। एथलेटिक्स इवेंट्स का फाइनल किया गया साथ ही शिक्षण संकाय सदस्य में कला संकाय एवं विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय और विधि संकाय के बीच मैच हुआ जिसमें पुरुष वर्ग में विज्ञान संकाय जीता और महिला अध्यापक वर्ग में कला संकाय जीती। इसके अतिरिक्त अली एजुकेशन एंड केयर सेंटर के शिशुओं की भी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव रही, स्पोर्ट्स बोर्ड निदेशक प्रो. हर्ष कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत, पुष्प कुछ देकर किया। प्रो. अर्चना चहल इवेंट एडमिनिस्ट्रेटर ने मुख्य अतिथि का स्वागत प्लांट देकर किया। रजिस्ट्रार प्रो. एन के शुक्ला ने माननीय कुलपति को स्मृति चिन्ह भेंट किया।



मुख्य अतिथि मननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा की जीत और हार खेल में बहुत कम मायने रखते हैं कभी-कभी कछुए की तरह चलने वाला खरगोश को हारा देता है। मुझे बहुत खुशी है कि यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स मीट का इतना अच्छा आयोजन हुआ है और हर साल इसका आयोजन किया जाएगा। प्रो. हर्ष कुमार और प्रो. अर्चना चहल जी को बधाई इनकी मेहनत आज सफल हुई।



प्रो. अर्चना चहल ने स्पोर्ट्स मीट की रिपोर्ट पेश की और कहा यह मीट माननीय कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जिसमें बास्केटबॉल, साइकिलिंग और ट्रैक एंड फील्ड इवेंट रखे गए थे माननीय कुलपति महोदया का समर्थन और मार्गदर्शन हम लोगो को मिलता रहा जिसे सफलतापूर्वक हम लोगो ने यह स्पोर्ट्स मीट आयोजित किया।



प्रो. हर्ष कुमार निदेशक स्पोर्ट्स बोर्ड ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव को पहल करने और अपना अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद साबिर (शोध छात्र शारीरिक शिक्षा विभाग) ने किया। इस मौके पर सभी शिक्षक संकाय और गैर शिक्षण संकाय और छात्र उपस्थित रहे।

VIKSIT BHARAT @ 2047

The university departments and hostels made arrangements to broadcast the address by the Honorable Prime Minister, Shri Narendra Modi, on “Viksit Bharat.” The students and faculty members enthusiastically listened to the PM and learned about his vision for India in 2047; they felt encouraged to contribute to the overall development of the country with their best efforts.

myGov
Ideas For The Vision
VIKSIT BHARAT @2047

Today the goal of the country is **Viksit Bharat, Sahakti Bharat!**
 We cannot stop until this dream of a developed India is fulfilled.
 -Narendra Modi, Prime Minister

VIKSIT BHARAT @ 2047
 Concept Note for Discussion with Universities on Vision for 2047

Introduction

India is at a turning point in its history. The 21st century will be India's century, as the country puts itself into the future confident of its capabilities. It is the 5th largest economy in the world today and will be the world's 1st largest economy by 2027, as its GDP crosses US\$ 5 trillion (IMF estimates). By 2047, India is poised to be a US\$ 30 trillion economy with all the attributes of a developed nation. It will be a Viksit Bharat.

Importance of Transformational Moments

In the histories of nations, there comes a turning point, when a nation gauges the moment and achieves rapid growth. Some of these are:

- Japan:** Post World War II, Japan underwent a remarkable transformation in the 1950s and 60s, a period of rapid economic growth never seen before, often referred to as the "Japanese Post-War Economic Miracle." This saw projected Japan into a leading world economy and established it as a global economic powerhouse.
- Germany:** Germany's economic trajectory changed in the 1950s, 60s and 70s, also known as the "Wirtschaftswunder" or "economic miracle," a period of rapid economic growth and rising living standards. Germany has since remained among the largest and most competitive economies globally, known for its strong manufacturing base and technological prowess.
- Singapore:** From being a developing country, Singapore transformed itself in the 1960s and 70s, becoming one of the richest nations in the world, and one of Asia's economic powerhouses which is technologically sophisticated.
- South Korea:** From being a war-torn, agrarian and impoverished country in ruins, South Korea transformed its economy dramatically from the 1960s to 90s, a period referred to as the "Miracle on the Han River" with world leading companies.



Centre of Environmental Studies

The Centre of Environmental Studies observed World Soil Day on 5th December 2023. The event started with a tree-plantation drive in the M N Saha Garden by the faculty and students. The coordinator, Prof Umesh Kumar, elaborated on the negative impact of human activities on the ecosystem and the degradation of our land resources. Prof. D. K. Chauhan from the Department of Botany gave an inspiring presentation to the attendees, which included scholars and students. He said that soil health has been decreasing daily since the Green Revolution.

The invited lecture was delivered by Dr. Ashwani Kumar, Associate Professor, Department of Botany, UoA, on the leading cause of soil deterioration and sustainable soil management. He pointed out that the youth can play the most crucial role in restoring the ecosystem. He concluded his lecture by focusing on plant-microbe interaction and its role in ecological restoration and sustainable development. The event was organised by Dr. Pankaj Srivastava, Assistant Professor, Centre of Environmental Studies.



Department of English and Modern European Languages

The Department organized a lecture on “Digital Humanities: What, Why, How?” by Prof. Sukanta Chaudhuri, a former Professor of English, Jadavpur University. Prof. Chaudhuri elaborated on the significance of digital technology in the field of humanities; he illustrated his presentation with a number of striking and appealing examples from day-to-day life. He substantiated his arguments by referring to Open Source Shakespeare Advanced Search, The Republic of Letters, topic modelling, mapping metaphor, historical thesaurus, digital archiving, Wikileaks, hyperbibliography and computational stylistics. In his opinion, computational technology has facilitated human life to a great extent, and digital humanities has a bright future. The eminent speaker apprised the august audience of the tremendous support of digital technology in bringing all works of Tagore on one online platform called “Bichitra: Online Tagore Variorum”.



After the illustrious lecture, a question-answer session was moderated by Prof. Prakash Joshi; the session eventuated in a fascinating discussion on the pros and cons of technology in the context of humanities. It is notable that this lecture was the fourth lecture in the distinguished lecture series started in the centenary year of the department.



The lecture was graced by former Professors of the Department, Prof. Neelam Saran Gaur, Prof. K. G. Srivastava, Prof. A. N. Dwivedi, and others. Prof. Sanjoy Saxena felicitated Prof. Chaudhuri, a renowned speaker. Dr. Mrityunjay Rao Parmar anchored the event. Prof. Jaya Kapoor, Convener of the lecture, extended the vote of thanks. The event was a grand success.

Department of Sociology

सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी

The Department organized an online inter-disciplinary refresher course on "Research Methodology in Social Sciences" under the aegis of UGC-Human Resource Development Centre (HRDC), University of Allahabad from 18th November to 1st December 2023. Prof. Alpana Kateja, Hon'ble Vice-Chancellor, University of Rajasthan was the Chief Guest while Prof. Saurabh Dube, Distinguished Professor, Centre for Asian & African Studies, El Colegio de Mexico, Mexico was the Guest of Honour for the Valedictory Program held on 1st December. While delivering the welcome address, Prof. Ashish Saxena, Head, Department of Sociology & Director, UGC-HRDC, University of Allahabad, emphasized the paradigm shift in the social science research from disciplinary to interdisciplinary and sought for the use of interdisciplinary in research. The Chief Guest Prof. Alpana Kateja, Hon'ble Vice-Chancellor, University of Rajasthan in her valedictory address, spoke about the significance of data analysis and data interpretation in social science research. She appealed to the participants to learn, unlearn and relearn new theory, methods and techniques of research in the Social Sciences. The Guest of Honour Prof. Saurabh Dube (*Cambridge trained social scientist*) delivered a thought-provoking lecture on Discipline, Subjects, and Modernity. Sir wove a perfect tapestry with history and Anthropology and portrayed it under the title of "The Methods and Theory used in Social Science with special reference to Anthropology". He provided a comprehensive exploration of key themes within the field.



Dr. Deborah Darlianmawii, Assistant Professor, Department of Sociology and the Course Co-ordinator, UGC-HRDC, University of Allahabad presented the report of the 14 days refresher course. Further, the participants appreciated the Course Co-ordinator for her scrupulous and assiduous way of organising the said refresher course. Dr. C. Sathish, Assistant Professor, Department of Sociology, University of Allahabad moderated the Valedictory Session while Dr. Keyoor, Assistant Professor, Department of Sociology, University of Allahabad delivered the final vote of thanks.

सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी में ऑन कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ जिसमें 18 दिसम्बर 2023 को एस.एल.एम.जी. बेवरेजेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (कोका कोला की अधिकृत बॉटलिंग कम्पनी) ने भाग लिया। सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इकाई के इंचार्ज इंजीनियर सलमान हाशमी ने बताया कि कम्पनी ने एम.एससी. फूड टेक्नोलॉजी के 5 छात्रों को क्वालिटी एक्जीक्यूटिव पद के लिए 3 लाख वार्षिक पैकेज पर चयनित किया। प्लेसमेंट कार्यक्रम में एस.एल.एम.जी. बेवरेजेज से श्री सैयद हुसैन आमिर (जी.एम. एच.आर. एण्ड एडमिन), सौरभ चतुर्वेदी (एच.आर. जर्नलिस्ट) एवं कुमन्ना स्वामीनाथन (माइक्रोबायोलॉजिस्ट) ने छात्रों के चयन में भाग लिया।



ऑन कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ जिसमें 19 दिसम्बर 2023 को फेयर लैब्स, गुरुग्राम, हरियाणा ने भाग लिया। सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इकाई के इंचार्ज इंजीनियर सलमान हाशमी ने बताया कि कम्पनी ने एम.एससी. फूड टेक्नोलॉजी के 20 छात्रों को ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए 2.4 लाख वार्षिक पैकेज पर चयनित किया।

इसी क्रम में दिनांक 20 दिसम्बर 2023 को आयोजित ऑन कैम्पस प्लेसमेंट प्रोग्राम में कोका कोला की इकाई अमृत बॉटलर्स, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा एम.एससी. फूड टेक्नोलॉजी के छ: छात्रों का ट्रेनी एक्जीक्यूटिव पद के लिए 2.4 लाख वार्षिक पैकेज पर चयन किया गया।

22 दिसम्बर 2023 को आयोजित ऑन कैम्पस प्लेसमेंट प्रोग्राम में प्राइम फूड्स, नई दिल्ली द्वारा एम.एससी. फूड टेक्नोलॉजी के 3 छात्रों का ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए 3 लाख वार्षिक पैकेज पर चयन किया गया।

अमृत बॉटलर्स की ओर से रेखा मदनानी (एच.आर.) एवं दिनेश वर्मा (सहायक एच.आर.) ने प्लेसमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।

समस्त ऑन कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी में दिनांक 18, 19, 20 एवं 21 दिसम्बर 2023 को किया गया। जिसमें चार प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। सेन्टर की कोऑर्डिनेटर प्रो. नीलम यादव ने समस्त चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

Department of Zoology

Department of Zoology, organized a lecture on 6th December, 2023 in the memory of the great Entomologist Prof. U.S. Srivastava on the topic Chronobiology in Health and Disease Management. In a riveting lecture on Chronobiology, the expert delved into the intricate relationship between biological rhythms and health, opening new avenues for disease management. The Speaker, Prof. Anita Jagota, University of Hyderabad, unraveled the mysteries of Chronobiology setting light on how our internal clocks influence health. Attendees learned practical applications, including optimising medication schedules for better efficacy. This insightful event marks significant step towards integrating chronobiology into disease management offering a more personalized approach to health.

Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava was the patron for the event.



During the lecture, Dean of Faculty of Science, Prof. Bechan Sharma, Dean, Research and development, Prof S.I. Rizvi, HoD, Zoology, Prof K.P. Singh, Prof I.R. Siddiqui and Prof. Anita Gopesh along with all the faculty members were present. Dr. Ritu Mishra and Dr. Gaurav Majumdar were the coordinators for the event. During Valedictory function certificates and awards were distributed to the winners belonging to M.S c 3rd semester for their outstanding project work on Animal Behaviour. The programme was convened by Prof. K.P. Singh and stage management was done by Dr. Ritu Mishra. The event was concluded with the vote of thanks by the Head of the Department.

Department of Mathematics

On the auspicious occasion of National Maths Day, which is celebrated to mark the birth anniversary of the renowned Indian mathematician Srinivas Ramanujan, the Maths Department of the University of Allahabad held a quiz and declamation competition for the students. The teachers of the Department also expressed their thoughts on the day.

The programme commenced with the Head of the Maths Department, Professor S.S. Shukla garlanding the Goddess of learning and welcoming the guests. Present on the occasion were Prof. P.K. Singh, Prof. Satyadev, Dr. B.K. Sharma, Dr. Avnish Kumar Chaturvedi, Dr. Hitesh Ramesh Rondal, Dr. Anup Kumar Singh, Dr. Alpesh Kumar, Dr. Anup Kumar Singh of the Department along with research scholars and graduate and post-graduate students.



The programme was anchored successfully by Dr. Anup Kumar Singh and Dr. Alpesh Kumar. Ashutosh Giri won the first, Adarsh Yadav won the second & Vishal Soni won the third Prize in the quiz competition. A declamation was also organised on the theme of the contribution of Indian mathematicians to Maths. In this, the first prize went to Ashutosh Giri, second to Aditya Yadav, and third to Mrigendra Pandey. The prizes were distributed by HoD Prof. S.S. Shukla. The event concluded with the National Anthem & a vote of thanks being proposed by Dr. Alpesh Kumar.



Department of Psychology




The Department of Psychology, University of Allahabad organized subject specific refresher course in Psychology from 5th to 18th December 2023. The 14 days refresher course was designed to help psychology teachers from various public and private universities in the country to remain updated with the developments in the discipline. The objective was to prepare them to undertake quality research and propel academic activities in tune with the changing social and psychological realities of the contemporary world. The course provided participants with a comprehensive view about the subject and equipped them with relevant knowledge and skill set.

The course focused on the major trends and emerging challenges in the field of applied social psychology, organizational psychology, cognitive psychology, clinical psychology, developmental psychology, stress, mental health, counselling skills, well-being, positive psychology, impact of technology on psychological realities of individuals, groups and organizations, qualitative and quantitative research methods, and teaching-learning skills etc.

The resource persons were from various premium institutes and universities who gave their deliberations during the course. The esteemed speakers were Prof. Ramadhar Singh (for Keynote Address and one additional session), currently at Ahmedabad University, Prof. Roomana Siddiqui, AMU, Prof. Purnima Singh, IIT-Delhi, Prof. S.P.K. Jena, University of Delhi, Prof. S. M. Khan, AMU, Prof. Damodar Suar, IIT-Kharagpur, Prof. Ashish Saxena, UoA, Prof. Braj Bhushan, IIT-K, Prof. Shailendra Singh, IIM-L, Prof. Ashish Pandey, IIT-B, Prof. Ashish Khare, UoA, Prof. S. I. Rizvi, UoA, Dr. Priyanka Srivastava, Sr Consultant and Clinical Psychologist, JP Hospital, Noida, Prof. Manmohan Krishna, UoA, Prof. Rajen K. Gupta, MDI Gurgaon, Prof. Neena Kohli, UoA, Prof. Bhoomika R Kar, UoA, Prof Kumar Ravi Priya, IIT-K, Prof Manas Kumar Mandal, IIT, Kharagpur, Prof Sanjay Srivastava, Manav Rachna International Institute of Research & Studies, Faridabad and Prof. Girishwar Misra (for Valedictory Address).

Gratitude to Prof. S.I. Rizvi, Dean, Research and Development (for address during the inaugural session and one additional session), Prof Dhanjay Yadav, Prof R. K. Singh, and Prof. Ram Manohar Yadav from the University of Allahabad for supporting the department during the evaluation process of the participants.


Heartfelt gratitude to Hon. Vice Chancellor Prof. Sangita Srivastava Madam for her visionary and inspiring leadership, Prof. Ashish Saxena, Director, Malviya Mission Teacher Training Centre (formerly known as UGC-HRDC), and University of Allahabad for giving the opportunity to the department to organize the refresher course.




Malviya Mission-Teacher Training Centre
(Formerly UGC-HRDC, University of Allahabad)
and
Department of Psychology
is organizing

A Two-Week Online Subject Specific Refresher Course
in
PSYCHOLOGY
from
December 05 – 18, 2023


PATRON




Prof. Sangita Srivastava
Hon'ble Vice Chancellor




Prof. Ashish Saxena
Director, UGC-HRDC




Prof. Ramadhar Singh
Guest of Honor



Prof. S. I. Rizvi
Dean, R&D



Dr. Chandranshu Sinha
Coordinator, Refresher Course



Dr. Shanti Suman
Co-coordinator, Refresher Course

Research Publications

<u>S. No.</u>	<u>Name of the Author</u>	<u>Department /Centre</u>	<u>Name of the Journal/ Book Chapter</u>	<u>Indexing</u>
1.	Dr. Vaibhav Srivastava	Department of Botany	Environmental Pollution	SCI, SCOPUS
2.	Dr. Somanjana Khatua	Department of Botany	Current Research in Biotechnology	SCI, SCOPUS
3.	Dr. Bhima Kumar	Philosophy	Journal of Indian council of Philosophical Research	Web of Science and Scopus Indexed Journal
4.	Dr. Bhima Kumar	Philosophy	Journal of Asiatic Society of Bengal	UGC-CARE Listed Journal
5.	Dr. Bhima Kumar	Philosophy	Sambodhi, Maha Bodhi Society of India	ISBN No.: 978-93-93291-05-9
6.	Dr. Pawan Kumar Sharma	Department of Geography	Punjab Geographer	

- Sole/single author – **Prof. Prakash Joshi, Dept. of English & MEL**
Title - "From Jayasi's 'Padmavat' to Bhansali's: Hsitoriography and Two Tellings of the Tale of Padmavati of Chittor"
Publisher: -Crescent Publishing Corporation, New Delhi
ISBN: 978-93-91771-60-7
- Editor - **Dr. Vijay Kumar Roy, Dept. of English & MEL**
Book name - A Companion to African Literature.
ISBN - 978-93-94964-67-9
Publisher - Paragon International Publishers

AWARDS/HONOURS/LECTURES

- **Prof. S.M. Prasad, Department of Botany** has received “Highly Cited Researcher 2023” from Clarivate™, in recognition of exceptional research performance in the field of Cross- Field.



- **Dr. Somanjana Khatua, Assistant Professor, Department of Botany** has received the Best Paper Presentation Award at the 35th Annual Scientific Conference of Ramkrishna Mission Seva Pratishthan Vivekananda Institute of Medical Sciences, Kolkata.

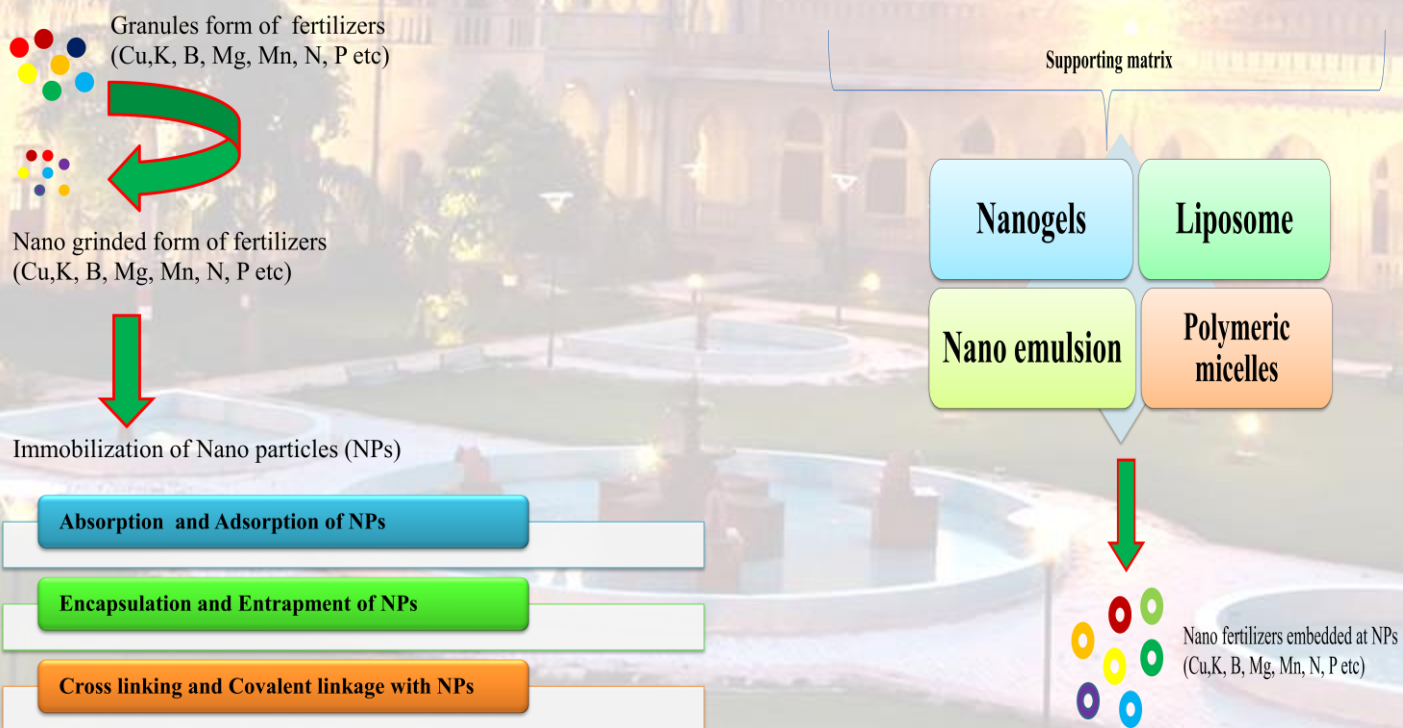


Nanofertilizers – A Boon for Sustainable Agriculture

Dr. Harmanjit Kaur, Assistant Professor, Department of Botany

Last few decades have witnessed huge explosion of human population which is putting pressure on utilization of natural resources. Particularly, agriculture is under strain to ensure food security for this expanding population, which in turn has forced the farming communities to use chemical fertilizers at an enormous scale. A large amount of applied chemical fertilizers cause pollution of all three spheres of earth viz. soil, water and air. It is therefore time to replace traditional farming practices with smart ones that will increase food productivity and nutritional value without endangering our ecosystem. In this regard, one of the most promising synthetic materials for attaining sustained agricultural yield through intelligent release is **nanofertilizers (NFs)**, which can lessen the burden of quantity and cost of chemical fertilizers on farmers. Due to sharp and accurate delivery, NFs are also referred to as '**SMART FERTILIZERS**'. Besides being easily absorbed by plants, NFs leave little residue in soil, air, or ground water, thus maintaining environmentally clean production. Crop plants can slowly absorb the nutrients in a sustainable manner as the nanostructure of NFs (<100 nanometers) and high surface area gives the plant system more room to accommodate various metabolic processes and have greater penetration efficiency in plants and soil. NFs applied either in the form of spray on leaves or via seeds can be absorbed through leaves and roots, thereby influencing the bioavailability, behavior and uptake by the plant. Nevertheless, overdose of NFs may exert negative effects on crop development and even on natural environment which should be considered before their application. Cost-value, recyclability, biodegradability, non-toxicity and capability of revival after use are few other challenges for NF manufacturers. Farmers prefer NFs due to various advantages over traditional fertilizers such as, long shelf life, ease of handling, ease of transport, compact size and high efficacy rates. Hence, NFs have evolved as a new horizon in the form of precision agriculture, through which farmers use modern technologies to utilize fertilizers and other essentials for crops in precision and efficient ways. Although, the current price of NFs is higher compared to conventional fertilizers, but their large scale production in coming times can reduce the overall cost and make them accessible to farmers globally.

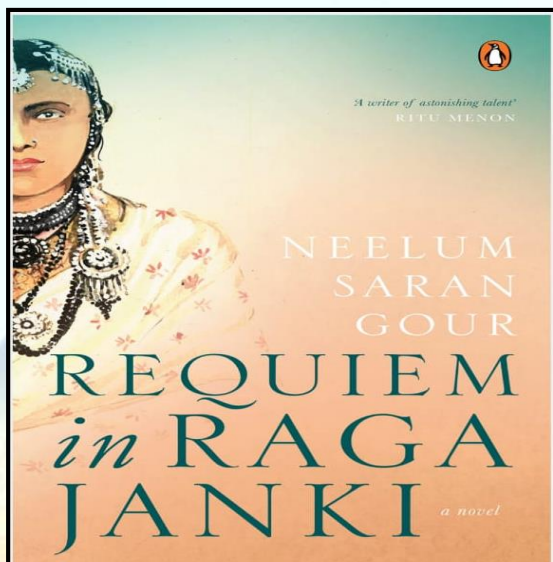
Synthesis of Nano fertilizers using macronutrient and micronutrients (based on different supporting matrix)



BOOK OF THE EDITION

REQUIEM in RAGA JANKI

By Prof. Neelam S. Gour



MOVIE OF THE EDITION

12th FAIL



Some Important Instructions for AU TALK

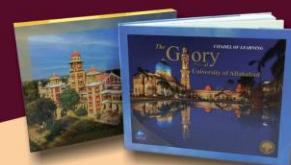
AU Talk is a monthly digital newsletter of the University of Allahabad that shares latest curricular and extra-curricular activities of the university. It seeks to enhance the perception of the university by highlighting its accomplishments in diverse fields of undertaking. Please note that

- AU TALK publishes news about seminars/workshops/conferences that have taken place at any Department or Centre of the University. A piece of news along with a **photograph of the organizers** should be emailed at vizianagramcurator.au@gmail.com
- The magazine publishes informative articles also. Articles should aim to bring out important scientific, ethical, and environmental issues and must be lucid in their message to society. They can be written in Hindi or English. In one edition, the magazine can publish up to four such articles.
- **Do not send pictures capturing garlanding or shawl/memento-giving moments.**
- The magazine should be widely circulated among students and faculty and on all social media platforms so that the excellent work done under the auspices of the University of Allahabad reaches far and wide and benefits all.

For any query feel free to contact the Editorial Board.

Grab one for Yourself.

UNIVERSITY OF ALLAHABAD
Coffee table book



Available at

Memorabilia Shop

Vizianagaram Campus
University of Allahabad